रमजान, दस काम और हम

Disclaimer:

Arshad Basheer madani ke urdu books ko Roman English mai lane wale ahbab Mubarakbadi ke mustahiq hai ke unoun ne asan kia urdu reading Na janne Waloun ke liye

الحمد لله

فجزاكم الله خيرا

Note : arshad basheer madani ne Word to Word check nahi kia Kiunke bohut books ko roman Kia gaya un sab ko Check karna asan nahi, time ka commitment deegar Urdu books Aur syllabus par laga huva hai is liye badi mazirat ke sat arz hai ke jahan kahin apko pronunciation ya talaffuz mai Diqqat lage Urdu Janne Waloun se asal Kitab ki taraf rujoo farmaen in sha Allaah in sha Allaaah

Askislampedia ki Team ka shukriya ke Roman mai book lane mai madad faramee

Khas tour se

Riaz bhai , shaikh abdullah Umeri, faheem iqbal , Mushtaq ahmed Aur baz sisters bhi hain jo madad kie Aur kuch brothers bhi madad kie Likin ijazat nahi hai ke unka naam zikr Kia jae Allaah qabool farmae sab ki mahant

****

Ameen

Shukriya

Shoba e nashro ishaat,

Askislampedia

CHECK LIST

संकलन

ARSHAD BASHEER UMARI MADANI SALLAMULLAAH

HAFIZ, AALIM, FAAZIL (MADINA UNIVERSITY, KSA) MBA

FOUNDER & DIRECTOR OF ASKISLAMPEDIA.COM

अलहम्दुलिल्लाह वहदह वस्सलातु वस्सलाम अला मल्ला नबी बादह व अला इलाह व अस्हाबुह अज्मयीन :

रमजान एक प्रत्येक माह है| इसे मुसलमान बहुत महत्त्व देते है| इस माह की कुछ प्रत्येक आराधना एवं नियम है| इसे जानकार ही इस माह से अधिकतर लाभ उठाया जा सकता है|

इसी उद्देश्य से इस माह से सम्बंधित आवश्यक आराधना एवं नियम इस किताब में दिए गए है| ताके इस माह से बहुत अधिक लाभ उठाया जाए|

- SHORT NOTES
- CHECK LIST
- घर में सुधार, संशोधन करने के लिए कुछ नियम

इस समय मै अल्लाह क धन्यवाद करना चाहता हूँ, उसी की सहायता से मै इस कर्तव्य को पूरा कर पाया हूँ| (अल्लाह इसे स्वीकार (खुबूल) करे) और मै मेरे उपकारक को भी धन्यवाद कहना चाहता हूँ| अल्लाह उन्हें उत्तम प्रतिफल दे, आमीन|

वस्सलाम
अरशद बशीर उमरी मदनी सल्लमल्लाह
फाउंडर, डायरेक्टर, आस्कइस्लामपीडिया

विषय सूची

1. रमजान एवं उपवास की विशिष्ठता एक नज़र में .....
2. रमजान तथा विशवास (ईमान) की सुरक्षा, तथा 11 नहीं करने वाले काम .....
3. रमजान और मन की सफाई तथा नियम .....
4. रमजान और घर का परिस्थिति .....
5. रमजान तथा आराधना के नियम .....
6. रमजान और मसाजिद .....
7. रमजान और दुआ .....
8. रमजान और खुरआन .....
9. रमजान के बाद उस पर बाखी रहने के तरीखे .....
10. रजब, शाबान और शव्वाल का परिचय .....

1. रमजान एवं उपवास की विशिष्ठता एक नज़र में

रमजान और उपवास की विशिष्ठता

1. रसूलुल्लाह ﷺ ने उपवास रखने वाले के लिए स्वर्ग (जन्नत) का वचन दिया है| **(सहीह बुखारी:1397, सहीह मुस्लिम:14)**
2. उपवासी के लिए स्वर्ग में प्रत्येक द्वार निर्मित किया गया है| उसका नाम रय्यान है| **(सहीह बुखारी:1896, सहीह मुस्लिम:1152)**

3. उपवासी शहीद (वीरगति प्राप्त करने वालो) के साथ रहेगा| **(सही उत तर्घीब:1003)**
4. उपवासी के पूर्व पाप क्षमा कर दिए जाते है| **(सहीह बुखारी:1901, सहीह मुस्लिम:759)**
5. रमजान में स्वर्ग के तथा दया के द्वार पूरी तरह से खोल दिए जाते है, नरक के द्वार पूरी तरह से बंद कर दिए जाते है और शैतान को बंद कर दिया जाता है| **(सहीह बुखारी:1899)**
6. उपवासी के मुह की श्वास कस्तूरी से अधिक पवित्र है| **(सहीह बुखारी:1904)**
7. माह रमजान की हर रात अल्लाह कुछ योग्य लोगो को नरक से मुक्त करता है| **(इब्ने माजह:1642, सहीह इब्ने माजह:1331)**
8. प्रलय के दिन उपवास उपवासी के लिए अनुग्रह (सिफारिश) करेगा| **(सही उत तर्घीब:984)**
9. उपवास अच्छाई का द्वार है| **(तिरमिज़ी:2616, सही उत तर्घीब:983)**
10. हजार माह से उत्तम रात इसी माह रमजान में है (शब्बे खदर)| **(सही इब्ने माजह:1333, इब्ने माजह:1644)**
11. खुरआन रमजान ही में अवतरित (नाजिल) हुआ| **(बखरह:185)**
12. उपवास का प्रतिफल प्रत्येकता से अल्लाह ही देगा, हर पुन्य का प्रतिफल 10 से 700 गुना बढ़ा कर दिया जाएगा| **(सहीह मुस्लिम:1151)**
13. एक नफिल उपवास नरक से 70 (सत्तर) साल दूर कर देता है, तो फ़र्ज़ उपवास की विशिष्ठता कितनी होगी अनुमान लगाइये| **(सहीह बुखारी:2840)**
14. रमजान में उमरह का प्रतिफल नबी करीम ﷺ के साथ हज करने के बराबर हो जाता है| **(सहीह बुखारी:1863, सहीह मुस्लिम:1256)**
15. सहर से इफ्तार तक उपवासी की दुआ (प्रार्थना) स्वीकार की जाती है| **(तिर्मिजी:3598, इब्ने माजह:1752)**

2. **रमजान तथा विशवास (ईमान) की सुरक्षा, तथा 11 नहीं करने वाले काम**

1. ईमान की सुरक्षा (इस्लाम, ईमान तथा एहसान के मूल की समझ)

अरबी टेक्स्ट

अब्दुल्लाह बिन उमर बिन आस रजिअल्लाहुअन्हुमा कहते है के रसूलुल्लाह ﷺ ने कहा : "वस्त्र जिस तरह कमजोर हो (बेकार, सड) जाते है उसी तरह मन में ईमान भी कमज़ोर होता जाता है, अल्लाह से प्रार्थना करते रहो कि वह तुम्हारे मन का ईमान सुरक्षित रखे|" **(सहीह जामे:1590)**
2. इलाही के प्रेम तथा उपासना की सुरक्षा एवं उलूहियत| **(जारियात:56)**
3. रसूलुल्लाह ﷺ का प्रेम तथा अनुसरण की सुरक्षा| **(आले इमरान:31)**
4. प्रलय दिन की फिकर तथा समझ की सुरक्षा| **(अल हश्र:18)**
5. अल्लाह के अधिकार तथा लोगो के अधिकार की सुरक्षा| **(सहीह बुखारी:6267, सहीह मुस्लिम:2581)**
6. मुस्लिम के छे अधिकार तथा मानवता के अधिकार की सुरक्षा| **(सहीह मुस्लिम:2162)**
7. उपासना के नियम की सुरक्षा (तहारत, सलाह, सौम, जकात, हज के विषय की शोधना, ज़ईफ़ व मौजू [अप्रमाणित) को छोड़ कर प्रमाणित हदीस एवं आयात को समझे)|
8. अखीदा (विशवास), उपासना, सम्बन्ध, स्वभाव के ज्ञान की सुरक्षा|
9. मन का सुधार|
10. खायम रहना|
11. मन की पवित्रता|
12. वसीयत लिखना|
13. मरण का विषय|
14. ज़बान की पाबंदी, झूट, चुघल खोरी, चापलूसी, दूसरो पर दोश लगाना इत्यादि जैसी ज़बान की गंदगियो से बचना|
15. अल्लाह का जिकर अधिक से अधिक करना|
16. तक्वा (अल्लाह का डर) कैसे प्राप्त करे? तवक्कल (अल्लाह पर भरोसा) कैसे प्राप्त करे? खुशू (अल्लाह की उपासना में ख़ुशी) कैसे प्राप्त करे? खुरआन तथा हदीस का पाठ उलमा (धार्मिक विद्वाम्स) के साथ बैठकर प्राप्त करना चाहिए|

17. तौबा एवं अस्तघ्फार (पश्चाताप) का विधान सीखे, सय्यदुल अस्तघ्फार याद करे, अल्लाह तथा बन्दों से क्षमा चाहना, वरदान (नेमत) पर धन्यवाद देना|
18. पुन्य परिवर्तन|
19. रमजान के वारो का लौटना|
20. मघ्फिरत (पश्चाताप) कर लेना|
21. बुरी सांगत और बुरे लोगो से दूरी|
22. मघ्फिरत ए रब की सुरक्षा, मघ्फिरत ए रसूल तथा मघ्फिरत ए इस्लाम (उसूले सलासा)|
23. ज्ञान एवं ईमान (विशवास), पुन्य कार्य, दूसरो को पुन्य की ओर बुलाना, धैर्य (सब्र)|
24. केवल उपासना का अनुसरण : सलातुल तरावीह, एतेकाफ़, लैलतुल खदर, उपवास तथा ज़कात (यदि एक साल गुजर जाए तब नियमित हिस्साब के साथ), उमरह, सदखा खुरआन पढ़ना, दुआ (प्रार्थना), अज्कार (अल्लाह की बडाई करना)|
25. अल्लाह की ओर लौटना, अल्लाह से सम्बन्ध बनाना, अल्लाह से सम्बन्ध (रुबूबियत, उलूहियत, अस्मा व सिफात)|
26. मस्जिद के दिल का सम्बन्ध|
27. कुकर्म तथा पाप के कार्य से बचना|
28. अप्रामानित विषयो से बचना|
29. अखीदा (विशवास) में गन्दगी जैसे शिर्क (बहुदैवाराधना), कुफ्र (अविश्वास), निफाख (कपट) से बचना, उपासना में बिदत (अस्वीकृत कार्य) से बचना, मामलात में हराम से बचना|
30. जब मनुष्य को खबर में रखा जाता है, तब अजाब (शिक्षा) आना चाहता है, उस समत चारो ओर पुन्य कार्य (आमाल) खड़े हो जाते है तथा अजाब (शिक्षा) से सुरक्षित रखते है| **(इब्ने माजह:113, सहीह उत तर्घीब:3561, हसन)**

arabic text

अबू हुरैरह रजिअल्लाहुअन्हु कहते है के नबी ﷺ ने कहा : जब मृत शरीर को खबर (स्मशान) में रखा जाता है तो वो (तद्फीन के बाद) वापस पलटने वालो के जूतों की आवाज सुनती है, यदि मृतक मुसलमान (विश्वासी) हो तो नमाज उसके सर के पास, रोज़ा (उपवास) दाए ओर, ज़कार (विधि दान) बाए ओर, दूसरे पुन्य कार्य – सदखा, नवाफिल, लोगो के साथ भलाई तथा हुस्ने सुलूक (उत्तम व्यवहार) पाँव की तरफ से उस मृतक की सुरक्षा करते है| फ़रिश्ता (अल्लाह का दूत) अजाब (शिक्षा) के लिए सर की ओर से आता है, तो नमाज कहती है मेरी ओर से रास्ता नही है, फिर फ़रिश्ता दाए ओर से आता है, तो रोजा (उपवास) कहता है मेरी ओर से रास्ता नहीं है, फिर फ़रिश्ता बाए ओर से आता है, तो ज़कात कहती है मेरी ओर से रास्ता नही है, फिर फ़रिश्ता पाँव की तरफ से आता है, तो दूसरे पुन्य कार्य – सदखा खैरात (दान धर्म), सिला रहमी (दया तथा करुणा), लोगो के साथ भलाईयां एवं अहसान (उच्च व्यवहार) आदि कहते है के मेरी ओर से रास्ता नही है|

रमजान तथा महिलाओ के लिए अतिरिक्त 9 विषय

1. शुकर (धन्यवाद) का माह, ना के ना शुक्री का|
2. अहकाम (कर्म) का ज्ञान सीखना (उपवास एवं जकात, तहारत (पवित्रता), सलाह (नमाज़), दुआ (प्रार्थना), अज्कार (अल्लाह का ज़िक्र) तथा उपासना)|
3. अखीदा उचित (सहीह) होना चाहिए|
4. उपवास का माह है ना के केवल खाने का माह|
5. खुरआन पाठ करने का माह है ना के बिना वजह अधिक बात करने का|
6. अहसान का माह है ना के समय बर्बाद करने का|
7. खियाम का माह|
8. केवल भूक का उपवास नहीं, सारे शरीर का उपवास|
9. समय का पालन, नियम का पालन करने का माह|

2. रमजान तथा विशवास (ईमान) की सुरक्षा, तथा 11 नहीं करने वाले काम

1. ख़जा (छूटे उपवास की भरपाई) उपवास की पूर्ती शाबान की माह में ही कर लेनी चाहिए|
2. रमजान के अभिवादन के लिए शाबान के अंतिम दो दिन उपवास रखना मना है|
3. शाबान की माह में सुस्ती (आलसीपन) ना करे|
4. Busy (व्यस्त) के बहाने से बचे, व्यापार से समय निकाले तथा उपासना पूरी श्रध्धा से करे|
5. उपवास के नियम तथा रमजान के आराधना के नियम ना जानना|
6. मन की पवित्रता के नियम, (आराधना, सम्बन्ध, व्यवहार के नियम) ना जानना एवं उसके लिए प्रयत्न ना करना|
7. मुक्ति की फिकर में सुस्ती, मफ्फिरत (क्षमा) कराने में सुस्ती, सय्यदुल इस्तेघ्फार याद ना करना|
8. झगड़ो में पड जाना|
9. रमजान में खेल कूद का प्रबंध समय बिताने के लिए|
10. मुस्लिम सभाओ से दूर रहना, धर्म से दूर लोगो के साथ समय बिताना, नमाज तथा उपवास व्यर्थ कर लेना|
11. अखीदा तथा उपासना, खुरआन का पाठ, दुआ तथा मसाजिद का प्रबंध ना करना|

3. रमजान और मन की सफाई तथा नियम

I. मन की पवित्रता के लिए सूचित निर्देश का पालन करे :

1. ईमान (विशवास), इख्लास एवं इत्तेबा|
2. pg 13